Result Mitra

रिजल्ट मित्र स्पेशल

Hand Written

करंट अफेयर्स नोट्स

15

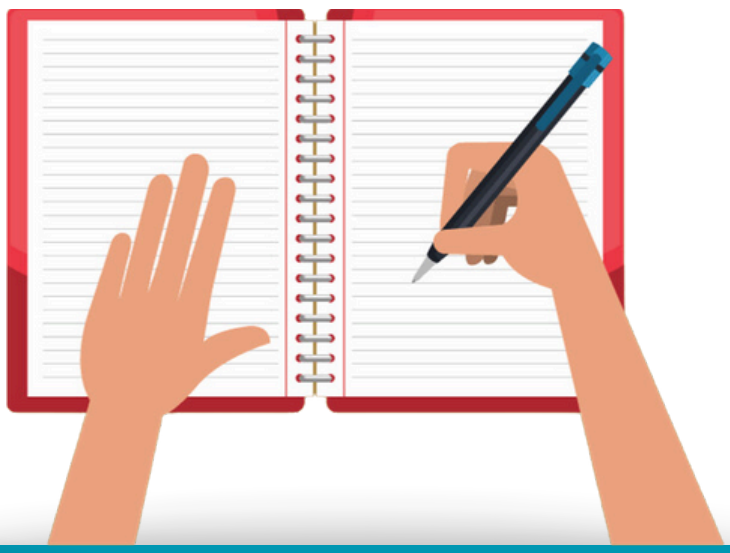

बोड़ा त्यौहार - चर्चा में

हाल ही में हद्दी जनजातियों ने अपने सबसे बड़े वार्षिक उत्सव बोड़ा त्यौहार हर्षोल्लास के साथ मनाया।

यह पर्व न केवल धार्मिक और सांस्कृतिक महत्व रखता है। बल्कि समुदाय को आपस में जोड़ने और उनकी परंपराओं को सुदृढ़ करने का कार्य करता है।

- बोड़ा त्यौहार की शुरुआत पौष द्वादशी की पूर्व संध्या पर होती है और यह पर्व पूरे माघ महीने तक चलता है
- इस त्यौहार के तीन चरण होते हैं

बोघली | सोझा आंगन | बोहद्दुत

संस्कृति और परंपराएँ

(1) देवताओं को समर्पण
(2) विवाहित बहनों को उपचार
(3) हद्दी महिलाओं का योगदान
(4) सामूहिक भोज

माउंट इबु ज्वालामुखी में विस्फोट

इंडोनेशिया के उत्तरी मालुक प्रांत में स्थित माउंट इबु ज्वालामुखी में हाल ही में कई विस्फोट हुए है। जिससे गर्म लावा और राख का उत्सर्जन हुआ।

- माउंट इबु इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखियों में एक है और 2023 में कुल 21100 विस्फोटों के साथ देश का दूसरा सबसे सक्रिय ज्वालामुखी रहा।

इंडोनेशिया दक्षिण पूर्व एशिया और ओशिनिया में स्थित एक विशाल देश है। जिसकी राजधानी जकार्ता से नूसन्तारा हो गई है।

- यह दुनिया का चौथा सबसे अधिक आबादी और दुनिया में सबसे बड़ी मुस्लिम आबादी वाला देश है
- माउंट इबु एक स्ट्रेटोज्वालामुखी है।
- यह इंडोनेशिया के सबसे सक्रिय ज्वालामुखी में से एक है
-

माउंट इबू ज्यालामुखी में विस्फोट

माउंट इबू का भूगर्भीय महत्व

1. "रिंग ऑफ फायर" का हिस्सा:
   - माउंट इबू प्रशांत महासागर के रिंग ऑफ फायर में स्थित है, जहां पृथ्वी की प्लेटें टकराती हैं।
   - यह क्षेत्र दुनिया के 75% सक्रिय ज्वालामुखियों का घर है।
2. प्लेट टेक्टॉनिक्स:
   - माउंट इबू इंडो-ऑस्ट्रेलियन प्लेट और यूरेशियन प्लेट के बीच के उपद्रव क्षेत्र पर स्थित है।
   - प्लेटों के सबडक्शन (एक प्लेट का दूसरी के नीचे खिसकना) के कारण यहां लगातार ज्वालामुखीय और भूकंपीय गतिविधियां होती हैं।
3. स्ट्रेटोवोल्केनो की विशेषताएं:
   - माउंट इबू जैसे ज्वालामुखी में विस्फोट अक्सर विस्फोटक होते हैं, जिसमें बड़ी मात्रा में राख और गैस निकलती है।

भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 वर्ष पूर्ण

16/Jan/25

- भारत मौसम विज्ञान विभाग (IMD) ने 15 जनवरी 2025 को अपनी स्थापना के 150 वर्ष पूरी किये
- इस अवसर पर मिशन मौसम की शुरुआत की गई।
- IMD की स्थापना 15 जनवरी 1875 को हुई थी।
- इस अवसर पर डाक टिकट और सिक्का भी जारी किया गया।
- IMD - पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय की एक एजेंसी है।
- IMD देश की राष्ट्रीय मौसम विज्ञान सेवा है।
- मुख्यालय नई दिल्ली में है।

@resultmitra www.resultmitra.com

भारत मौसम विज्ञान विभाग के 150 वर्ष पूर्ण

IMD की स्थापना 1875में कोलकाता में हुई थी।

IMD की प्रमुख उपलब्धियां

1. डॉपलर रडार नेटवर्क का विस्तार:
    - IMD ने पूरे देश में डॉपलर वेदर रडार (DWR) स्थापित किए हैं, जो मौसम की निगरानी और अलर्ट में सहायक हैं।
2. मॉनसून पूर्वानुमान प्रणाली:
    - IMD की मॉनसून पूर्वानुमान प्रणाली भारत में कृषि और जल प्रबंधन में क्रांतिकारी बदलाव लाई है।
3. तूफानों की चेतावनी:
    - IMD की चक्रवात चेतावनी प्रणाली ने ओडिशा (2019 में फानी चक्रवात) जैसे कई चक्रवातों के दौरान जनहानि कम करने में मदद की।
4. डिजिटल सेवाएं:
    - IMD ने मौसम ऐप, क्लाइमेट डेटा पोर्टल, और अन्य डिजिटल प्लेटफॉर्म लॉन्च किए हैं।
    - किसानों और आम जनता के लिए "मौसम" ऐप और "दामिनी" ऐप अत्यंत उपयोगी हैं।
5. आधुनिक तकनीक का उपयोग:
    - IMD ने सुपर कंप्यूटर (Pratyushऔर Mihir) के माध्यम से मौसम पूर्वानुमान की सटीकता को बढ़ाया है।
6. अंतरराष्ट्रीय सहयोग:
    - IMD विश्व मौसम विज्ञान संगठन (WMO)का सदस्य है और दक्षिण एशियाई देशों के लिए मौसम संबंधी सेवाएं प्रदान करता है।

भारत के लिए IMD का महत्व

- कृषि में योगदान:
  - IMD का मॉनसून पूर्वानुमान भारत के कृषि-प्रधान समाज में अत्यधिक महत्वपूर्ण है।
  - कृषि मौसम सलाह (Agro-Met Advisory Services)किसानों को फसल की बुवाई, सिंचाई, और कटाई की योजना बनाने में मदद करती है।
- आपदा प्रबंधन:
  - IMD की चक्रवात, बाढ़, और भूकंप की चेतावनी प्रणाली आपदाओं से जनहानि और धनहानि कम करने में सहायक है।
- पर्यटन और विमानन:
  - IMD पर्यटन स्थलों और हवाई यातायात के लिए विशेष मौसम सेवाएं प्रदान करता है।
- जलवायु परिवर्तन से निपटना:
  - IMD जलवायु परिवर्तन पर शोध और डेटा संग्रह करता है, जिससे नीति निर्माताओं को सही निर्णय लेने में मदद मिलती है।

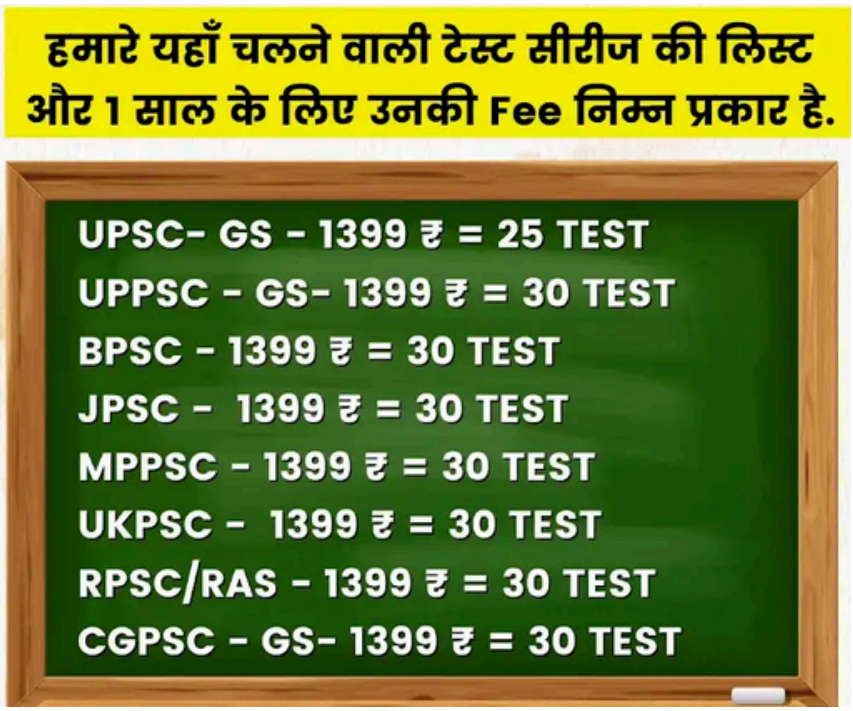

16 | Jan | 24

इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता चलन इसके प्रभाव एवं दुष्प्रभाव

इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। जो पर्यावरण और अर्थव्यवस्था पर महत्वपूर्ण प्रभाव डाल रहा है।

इलेक्ट्रिक वाहनों के लाभ

- पर्यावरण संरक्षण
- ऊर्जा सुरक्षा
- कम परिचालन लागत

दुष्प्रभाव

- बैटरी उत्पादन का पर्यावरणीय प्रभाव
- वजन और टायर घिसाव
- चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर की कमी।

Result Mitra

इलेक्ट्रिक वाहनों का बढ़ता चलन इसके प्रभाव एवं दुष्यंप्रभाव

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों (EVs) का चलन तेजी से बढ़ रहा है। यह न केवल परिवहन क्षेत्र में क्रांति लाने का एक माध्यम है, बल्कि पर्यावरणीय स्थिरता, ऊर्जा सुरक्षा, और जलवायु परिवर्तन से निपटने की दिशा में भी महत्वपूर्ण कदम है। भारत सरकार ने आत्मनिर्भर भारत, मेक इन इंडिया, और नेट ज़ीरो लक्ष्य (2070 तक) को ध्यान में रखते हुए EV क्षेत्र में व्यापक नीतियां और योजनाएं बनाई हैं।

भारत में इलेक्ट्रिक वाहनों का वर्तमान परिदृश्य

EV बाजार का विकास:

- भारत में दोपहिया, तीनपहिया, और चारपहिया इलेक्ट्रिक वाहनों की मांग तेजी से बढ़ रही है।
- 2023-24 में भारतीय EV बाजार का मूल्यांकन लगभग $3 बिलियन था और 2030 तक इसके $47 बिलियन तक पहुंचने की उम्मीद है।
- EV क्षेत्र में दोपहिया वाहनों (e-scooters और e-bikes) का सबसे बड़ा हिस्सा है।

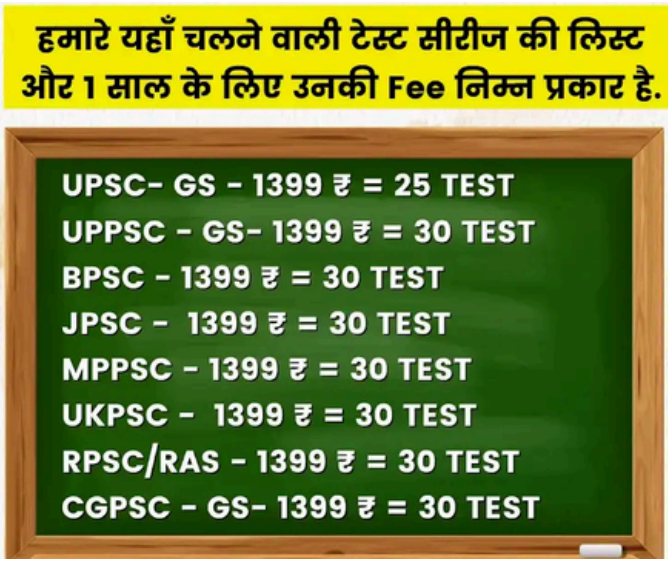

EV क्षेत्र में भारत का वैश्विक स्थान

- **वैश्विक EV बाजार में योगदान:**
  - भारत 2023 तक EV उत्पादन में तीसरे स्थान पर पहुंचने की दिशा में काम कर रहा है।
- अंतरराष्ट्रीय सहयोग:
  - भारत ने नीति आयोग और विश्व आर्थिक मंच (WEF) के सहयोग से EV नीतियां विकसित की हैं।
  - जापान और यूरोपीय देशों के साथ बैटरी और EV प्रौद्योगिकी में सहयोग।

भारत में EVs के लिए सरकारी प्रयास

1. FAME योजना (Faster Adoption and Manufacturing of Hybrid and Electric Vehicles):
   - EVs को अपनाने और उनके उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए भारत सरकार ने FAME-I (2015) और FAME-II (2019)योजना शुरू की।
   - इसमें सब्सिडी और चार्जिंग इंफ्रास्ट्रक्चर के विकास पर जोर दिया गया है।
2. राष्ट्रीय इलेक्ट्रिक मोबिलिटी मिशन योजना (NEMMP):
   - 2020 तक 6-7 मिलियन हाइब्रिड और इलेक्ट्रिक वाहनों को सड़कों पर लाने का लक्ष्य।
3. GST में कमी:
   - EVs पर GST को 12% से घटाकर 5% कर दिया गया है।
4. बैटरी नीति:
   - PLI (Production Linked Incentive) योजना के तहत बैटरी निर्माण में आत्मनिर्भरता को बढ़ावा दिया जा रहा है।
5. राज्य स्तर की नीतियां:
   - दिल्ली, महाराष्ट्र, गुजरात, तमिलनाडु जैसे राज्यों ने अपनी EV नीति लॉन्च की है, जिसमें टैक्स छूट और सब्सिडी दी जाती है।

समृद्धि का प्रतीक लोहड़ी

16/Jan/25

13 जनवरी को लोहड़ी बहुत उत्साह के साथ मनाई गई। यह खुशी का त्यौहार पंजाब, हरियाणा, हिमाचल प्रदेश और जम्मू कश्मीर सहित उत्तर भारतीय राज्यों के मनाया जाता है।

- यह रबी की फसलों खास तौर पर गन्ना गेंहूं और सरसों की कटाई का प्रतीक है।

- कृषि से परे यह त्यौहार समुदायों की प्रकृति के प्रति आभार व्यक्त करने और समृद्धि और उर्वरता के लिए आशिर्वाद मांगने के लिए एक साथ आता है।

- आज भी लोहड़ी का त्यौहार भव्य और जीवंत बना हुआ है। शाम को लोग अलाव जलाकर लोकगीत गाते हैं।

- भांगड़ा और गिद्दा जैसे पारंपरिक नृत्य करते हैं।

Result Mitra

लोहड़ी

लोहड़ी की परंपराएं और उत्सव

(a) आग जलाने की परंपरा:

- लोहड़ी का सबसे मुख्य पहलू अग्नि (Bonfire) के चारों ओर नाचना और गाना है।
- लोग आग में गुड़, तिल, रेवड़ी, मूंगफली, और मक्का अर्पित करते हैं। इसे शुभ माना जाता है और यह सर्दियों से गर्मियों के आगमन का प्रतीक है।

(b) लोकगीत और नृत्य:

- लोहड़ी पर पंजाबी लोकगीतों का गायन किया जाता है, जैसे "सुंदर मुंदरिये"।
- पारंपरिक भांगड़ा और गिद्दा नृत्य किया जाता है।

(c) गुड़, तिल, और मक्का का महत्व:

- इस दिन तिल (तिल्ली), गुड़, रेवड़ी, मक्का और मूंगफली का खास महत्व है।
- ये खाद्य पदार्थ सर्दियों में ऊर्जा प्रदान करते हैं और पारंपरिक रूप से इनका उपयोग इस त्यौहार से जुड़ा है।

(d) नवविवाहित जोड़े और नवजात शिशु:

- लोहड़ी उन परिवारों के लिए खास होती है जहां नवविवाह या नवजात शिशु का स्वागत किया गया हो।
- नवविवाहित दंपतियों और बच्चों को विशेष रूप से आशीर्वाद दिया जाता है।